पंजाब केसरी
SUN,24 MAY 2026
EDITION: HIMACHAL , PAGE NO. 5

हिमाचल के स्कूलों में अब बच्चे सीखेंगे ए.आई.

■ दो दिवसीय कार्यशाला में तैयार हुआ भविष्य का खाका

धर्मशाला, 23 मई (सुनील): हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड अब कक्षा 6वीं से लेकर 12वीं तक के छात्रों के लिए आर्टिफिशियल इंटैलीजैंस को एक नए स्किल विषय के रूप में शुरू करने की तैयारी कर रहा है। बच्चों को भविष्य की तकनीकों के लिए तैयार करने के उद्देश्य से शिक्षा बोर्ड ने इसके लिए दुनिया की जानी-मानी कंपनी इंटेल इंडिया से हाथ मिलाया है, जो इस कोर्स को तैयार करने में मदद करेगी।

शिक्षा बोर्ड बच्चों की उम्र के हिसाब से ए.आई. का नया सिलेबस (पाठ्यक्रम) तैयार कर रहा है। इस कोर्स का मुख्य मकसद बच्चों की सोचने की क्षमता को बढ़ाना, कम्प्यूटर की समझ देना, कुछ नया बनाने की कला सिखाना और किसी भी समस्या को आसानी से सुलझाने का हुनर सिखाना है। इस विषय में किताबी ज्ञान से ज्यादा प्रैक्टीकल (करके सीखने) पर जोर दिया जाएगा, ताकि बच्चे कम्प्यूटर और तकनीक की दुनिया को अच्छे से समझ सकें।

धर्मशाला : कक्षा 6वीं से 12वीं तक ए.आई. कोर्स शुरू करने को लेकर बोर्ड सचिव की अध्यक्षता में हुई स्कूल शिक्षा बोर्ड की अहम बैठक में भाग लेते अधिकारी। (न्यूज)

ए.आई. एक्सपर्ट्स ने मिलकर तैयार किया कोर्स

इस नए कोर्स को बेहतर बनाने के लिए शिक्षा बोर्ड ने एक खास ए.आई. एक्सपर्ट कमेटी (विशेषज्ञ समिति) बनाई है। इस समिति ने 22 और 23 मई को दो दिनों की एक वर्कशॉप रखी, जिसकी अध्यक्षता डॉ. (मेजर) विशाल शर्मा ने की। इस बैठक में इंटेल इंडिया, हिमाचल सैंट्रल यूनिवर्सिटी और धर्मशाला कॉलेज के प्रोफैसरों के साथ-साथ कई स्कूलों के ए.आई. एक्सपर्ट शामिल हुए। इन सभी ने मिलकर ऐसा कोर्स तैयार किया है जो आज के समय की जरूरतों के हिसाब से बच्चों के काम आ सके।

"शिक्षा बोर्ड और इंटेल इंडिया मिलकर बच्चों और शिक्षकों को भविष्य के लिए तैयार कर रहे हैं। हम स्कूलों में पढ़ाई का ऐसा माहौल बनाना चाहते हैं जहां बच्चे नई तकनीकों को आसानी से सीख सकें। इस नए ए.आई. कोर्स में तकनीक की बुनियादी समझ के साथ-साथ उसका सही और सुरक्षित इस्तेमाल करना भी सिखाया जाएगा। हमारी कोशिश है कि हिमाचल के बच्चे तकनीकी रूप से मजबूत बनें।"

– डॉ. राजेश शर्मा, अध्यक्ष, हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड।

Dainik Jagran 24-05-2026

डीएलएड प्रवेश परीक्षा 17 को, त्रुटियां सुधारने का अंतिम मौका

जागरण संवाददाता, धर्मशाला : शैक्षणिक सत्र 2026-2028 के दो वर्षीय प्रारंभिक शिक्षा डिप्लोमा पाठ्यक्रम (डीएलएड) में प्रवेश के लिए आयोजित होने वाली परीक्षा का आयोजन 17 जून को प्रदेशभर में स्थापित केंद्रों में किया जाएगा। स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने बताया कि प्रवेश परीक्षा के लिए आनलाइन आवेदन प्रक्रिया 4 अप्रैल से 29 अप्रैल तक विलंब शुल्क सहित पूरी की थी। निर्धारित शुल्क के साथ 9,984 आनलाइन आवेदन प्राप्त हुए। बोर्ड अध्यक्ष ने बताया कि शुल्क जमा न होने अथवा आवश्यक जानकारी अधूरी रहने से 1480 अभ्यर्थियों के आवेदन पत्र निरस्त कर दिए हैं। अस्वीकृत अभ्यर्थियों की सूची बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिन अभ्यर्थियों ने निर्धारित समय के भीतर शुल्क जमा करवा दिया था, लेकिन फिर भी उनका नाम अस्वीकृति सूची में शामिल है वे शुल्क जमा करने से संबंधित वैध दस्तावेज 27 मई तक व्यक्तिगत रूप से बोर्ड कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। इसके बाद ही उन्हें रोल नंबर जारी करने पर विचार किया जाएगा। उन्होंने बताया कि बोर्ड की ओर से अभ्यर्थियों को समय रहते आवश्यक त्रुटियां सुधारने का यह अंतिम अवसर दिया है।

डा. राजेश शर्मा
● जागरण आर्काइव

Amar Ujala 24-05-2026

छठी से 12वीं तक उम्र के हिसाब से पढ़ाया जाएगा एआई पाठ्यक्रम

शिक्षा बोर्ड की एक्सपर्ट कमेटी ने दो दिवसीय कार्यशाला में किया पाठ्यक्रम का मंथन

धर्मशाला। हिमाचल स्कूल शिक्षा बोर्ड अब भविष्य उन्मुख शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए छठी से बारहवीं कक्षा तक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को स्किल विषय के रूप में शुरू करने जा रहा है। इस पहल के लिए इंटेल इंडिया को नॉलेज पार्टनर के रूप में जोड़ा है। विद्यार्थियों के लिए आयु के अनुसार एआई पाठ्यक्रम विकसित किया जा रहा है। इसमें तकनीकी कौशल विकास, रचनात्मकता और समस्या समाधान क्षमता पर विशेष जोर रहेगा।

बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने बताया कि 7 मई को आयोजित एआई करिकुलम ओरिएंटेशन वर्कशॉप के बाद शिक्षा बोर्ड ने एक एक्सपर्ट कमेटी का गठन किया था। समिति के अध्यक्ष डॉ. विशाल शर्मा की अगुवाई में 22 और 23 मई को दो दिवसीय पाठ्यक्रम समीक्षा एवं क्यूरेशन कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में इंटेल इंडिया, केंद्रीय विश्वविद्यालय हिमाचल प्रदेश, राजकीय महाविद्यालय धर्मशाला, विभिन्न स्कूलों के विषय विशेषज्ञों और शिक्षा बोर्ड की अकादमिक टीम ने भाग लिया। ब्यूरो

Divya Himachal 24-05-2026

अब छठीं से 12वीं कक्षा तक विद्यार्थी पढ़ेंगे एआई सब्जेक्ट

दिव्य हिमाचल ब्यूरो-धर्मशाला

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड प्रदेश के स्कूलों में शिक्षा व्यवस्था को आधुनिक तकनीक से जोड़ने की दिशा में बड़ा कदम उठाने जा रहा है। बोर्ड कक्षा 6वीं से 12वीं तक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को स्किल विषय के रूप में शुरू करने की तैयारी कर रहा है। इस महत्त्वाकांक्षी पहल में इंटेल इंडिया नॉलेज पार्टनर की भूमिका निभा रहा है। बोर्ड का उद्देश्य विद्यार्थियों को भविष्य की तकनीकी चुनौतियों के लिए तैयार करना और उन्हें नई डिजिटल स्किल्स से जोड़ना है। शिक्षा बोर्ड अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने बताया कि विद्यार्थियों के लिए आयु.उपयुक्त एआई पाठ्यक्रम विकसित किया जा रहा है। इस पाठ्यक्रम में केवल तकनीकी जानकारी ही नहीं, बल्कि कम्प्यूटेशनल थिंकिंग, रचनात्मकता और समस्या समाधान कौशल पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। बोर्ड का मानना है कि आने वाले समय में एआई आधारित तकनीकों की मांग तेजी से बढ़ेगी।

पाठ्यक्रम में शामिल

प्रस्तावित एआई पाठ्यक्रम में तकनीक के नैतिक उपयोग, आलोचनात्मक चिंतन और हैंड्स.ऑन लर्निंग को विशेष रूप से शामिल किया गया है।

Divya Himachal 24-05-2026

डीएलएड के 1480 आवेदन रिजेक्ट

बोर्ड ने 27 मई तक दिया सुधार का मौका

- शुल्क जमा न करने और आवश्यक जानकारी अधूरी छोड़ने पर फॉर्म रद्द
- 17 जून को आयोजित होगी प्रवेश परीक्षा

नगर संवाददाता- धर्मशाला

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-2028 के लिए दो वर्षीय डिप्लोमा इन एलीमेंट्री एजुकेशन (डीएलएड) कोर्स में प्रवेश हेतु आयोजित की जाने वाली सामान्य प्रवेश परीक्षा-2026 (सीईटी-2026) को लेकर एक महत्त्वपूर्ण अधिसूचना जारी की गई है। बोर्ड द्वारा जारी आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार, इस प्रवेश परीक्षा के लिए 9,984 ऑनलाइन आवेदन प्राप्त हुए थे, जिसमें 1,480 आवेदकों के आवेदन रद्द (रिजेक्ट) कर दिए हैं। इन उम्मीदवारों की सूची बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है। अभ्यर्थियों के आवेदन रिजेक्ट किए गए हैं, उसके पीछे मुख्य वजह उनके आवेदन पत्रों का अधूरा होना है। इनमें से अधिकांश आवेदनों में या तो निर्धारित परीक्षा शुल्क का भुगतान नहीं किया गया था, या फिर उम्मीदवारों द्वारा मांगी गई आवश्यक और महत्त्वपूर्ण जानकारियां अधूरी छोड़ी गई थीं। ध्यान रहे कि प्रदेश के विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर इस डीएलएड प्रवेश परीक्षा का आयोजन आगामी 17 जून 2026 को किया जाना तय हुआ है, जिसके लिए तैयारियां पूरी की जा रही हैं।

राहत ऐसे अभ्यर्थियों को शुल्क जमा करने का वैध प्रमाण और संबंधित दस्तावेज लेकर 27 मई तक बोर्ड कार्यालय में संपर्क करना होगा। यदि उनका दावा सही पाया जाता है, तो उन्हें परीक्षा के लिए रोल नंबर जारी कर दिया जाएगा। बोर्ड ने कड़े शब्दों में स्पष्ट किया है कि 27 मई 2026 के बाद इस संबंध में किसी भी आवेदन, शिकायत या अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

Divya Himachal
24-05-2026

पुनर्मूल्यांकन के 76 आवेदन रद्द

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने मार्च 2026 में आयोजित 12वीं नियमित परीक्षा के पुनर्मूल्यांकन (रिवेल्यूएशन) से संबंधित एक महत्त्वपूर्ण अधिसूचना जारी की है। आवेदन विभिन्न कारणों से 'नॉट एलिजिबल' पाए गए हैं। बोर्ड ने ऐसे 76 अभ्यर्थियों की सूची सार्वजनिक की है। बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि यदि संबंधित अभ्यर्थियों द्वारा निर्धारित समय पर पुनर्मूल्यांकन शुल्क जमा किया गया है, तो वे 28 मई तक इसका प्रमाण बोर्ड कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते हैं, ताकि उनके आवेदन पर पुनर्विचार करते हुए मूल्यांकन प्रक्रिया पूरी की जा सके। शिक्षा बोर्ड ने विद्यार्थियों और अभिभावकों से अपील की है कि वे जारी सूची को ध्यानपूर्वक देखें।

Divya Himachal
24-05-2026

98 परीक्षा केंद्रों में चलेगी पूरक-सुधार परीक्षाएं

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा आगामी जून में आयोजित होने वाली कक्षा दसवीं और 12वीं की नियमित (रेगुलर) पूरक (सप्लीमेंटरी) तथा सुधार (इंप्रूवमेंट) परीक्षाओं के लिए परीक्षा केंद्रों की घोषणा कर दी गई है। बोर्ड के सचिव डा. मेजर विशाल शर्मा द्वारा जारी इस आधिकारिक अधिसूचना के तहत प्रदेश के विभिन्न जिलों में कुल 98 स्कूलों को परीक्षा केंद्र नामित किया गया है। इन परीक्षा केंद्रों में कांगड़ा जिला में सबसे अधिक 20 केंद्र और मंडी में 13 केंद्र बनाए गए हैं। इसके अलावा शिमला में 12, हमीरपुर में 10, बिलासपुर, चंबा, सिरमौर व सोलन में सात-सात केंद्र, ऊना में छह, कुल्लू में पांच तथा किन्नौर और लाहुल-स्पीति में दो-दो परीक्षा केंद्र तय किए गए हैं।

Himachal Dastak
24-05-2026

कक्षा छटी से लेकर 12वीं तक एआई शुरू करने की तैयारी

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड धर्मशाला के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने बताया कि शिक्षा बोर्ड द्वारा भविष्य उन्मुख शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कक्षा 6वीं से लेकर 12वीं तक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को स्किल विषय के रूप में प्रारंभ करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। इस महत्वाकांक्षी पहल के अंतर्गत इंटेल इंडिया को नॉलेज पार्टनर के रूप में जोड़ा गया है। उन्होंने बताया कि बोर्ड द्वारा विद्यार्थियों के लिए आयु-उपयुक्त एआई पाठ्यक्रम विकसित किया जा रहा है, जिसमें एआई कौशल विकास, कंप्यूटेशनल थिंकिंग, रचनात्मकता तथा समस्या समाधान कौशल पर विशेष बल दिया गया है। डॉ. शर्मा ने बताया कि दिनांक 7 मई, 2026 को आयोजित एआई करिकलम ओरिएंटेशन वर्कशॉप के उपरांत शिक्षा बोर्ड द्वारा एक एआई एक्सपर्ट कमिटी का गठन किया गया। इसके बाद समिति की अध्यक्षता डॉ. (मेजर) विशाल शर्मा द्वारा 22 एवं 23 मई 2026 को दो दिवसीय पाठ्यक्रम समीक्षा एवं क्यूरेशन कार्यशाला का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि इस कार्यशाला में इंटेल इंडिया, केंद्रीय विश्वविद्यालय हिमाचल प्रदेश, राजकीय महाविद्यालय धर्मशाला, विभिन्न विद्यालयों के विषय विशेषज्ञ तथा शिक्षा बोर्ड की अकादमिक टीम ने भाग लिया। कार्यशाला का उद्देश्य एआई पाठ्यक्रम को अधिक व्यावहारिक, उद्योग उन्मुख एवं विद्यार्थियों की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाना रहा।

Himachal Dastak
24-05-2026

डीएलएड कॉमन एंट्रेंस टेस्ट 2026 की परीक्षा 17 जून को

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड धर्मशाला के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि बोर्ड द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-2028 के दो वर्षीय डिप्लोमा इन एलीमेंट्री एजुकेशन कोर्स में प्रवेश हेतु कॉमन एंट्रेंस टेस्ट-2026 का आयोजन 17 जून को प्रदेशभर में स्थापित विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर किया जा रहा है। इस परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया 4 अप्रैल से 29 अप्रैल (विलंब शुल्क सहित) तक पूर्ण की गई थी। उन्होंने बताया कि इस प्रवेश परीक्षा के लिए निर्धारित शुल्क के साथ कुल 9,984 ऑनलाइन आवेदन प्राप्त हुए हैं। वहीं दूसरी ओर, अपूर्ण आवेदनों, जैसे- फीस जमा न होने या आवश्यक जानकारी न भरने के कारण, 1,480 परीक्षार्थियों के आवेदन पत्र निरस्त कर दिए गए हैं। अस्वीकृत किए गए आवेदकों की विस्तृत सूची बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध करवा दी गई है। डॉ. शर्मा ने स्पष्ट किया कि ऐसे अभ्यर्थी जिन्होंने निर्धारित अवधि के भीतर अपना देय शुल्क जमा करवा दिया था, लेकिन फिर भी उनका नाम इस रिजेक्शन लिस्ट में शामिल है, वे फीस जमा करने से संबंधित अपने वैध दस्तावेज/प्रमाण पत्र 27 मई तक बोर्ड कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से प्रस्तुत कर सकते हैं, ताकि वे रोल नंबर प्राप्त करने के पात्र बन सकें। इस तिथि के उपरांत इस संबंध में किसी भी आवेदन या अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा। बोर्ड अध्यक्ष ने कहा कि परीक्षा एवं आवेदन से जुड़ी अन्य किसी भी प्रकार की विस्तृत जानकारी या सहायता के लिए अभ्यर्थी किसी भी कार्य दिवस पर बोर्ड कार्यालय के दूरभाष नंबर 01892-242192 पर संपर्क कर सकते हैं।

Dainik Jagran 24-05-2026

छठी से जमा दो के विद्यार्थी पढ़ेंगे एआइ

- महत्वाकांक्षी योजना में इंटेल इंडिया को ज्ञान सहयोगी के रूप में जोड़ा
- हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने किया है एआइ विशेषज्ञ समिति का गठन

जागरण संवाददाता, धर्मशाला : हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड की ओर से विद्यार्थियों को भविष्य की तकनीक के अनुरूप तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। कक्षा छठी से जमा दो तक एआइ (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) को कौशल विषय के रूप में आरंभ करने की तैयारी चल रही है। इस महत्वाकांक्षी योजना में इंटेल इंडिया को ज्ञान सहयोगी के रूप में जोड़ा है।

स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने बताया कि शिक्षा बोर्ड की ओर से विद्यार्थियों के लिए आयु के अनुरूप एआइ पाठ्यक्रम तैयार किया जा रहा है और इसमें एआइ कौशल विकास, संगणनात्मक चिंतन, रचनात्मकता तथा समस्या समाधान क्षमता को विशेष महत्व दिया है। सात मई

को आयोजित एआइ पाठ्यक्रम परिचय कार्यशाला के बाद बोर्ड ने एक एआइ विशेषज्ञ समिति का गठन किया है।

इसके उपरांत समिति के अध्यक्ष डा. (मेजर) विशाल शर्मा की अध्यक्षता में 22 और 23 मई को दो दिवसीय पाठ्यक्रम समीक्षा कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें इंटेल इंडिया, केंद्रीय विश्वविद्यालय हिमाचल प्रदेश, राजकीय महाविद्यालय धर्मशाला, विभिन्न विद्यालयों के विषय विशेषज्ञों तथा शिक्षा बोर्ड की शैक्षणिक टीम ने भाग लिया। कार्यशाला का मुख्य एआइ पाठ्यक्रम को अधिक व्यावहारिक, उद्योग आधारित तथा विद्यार्थियों की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाना रहा। बोर्ड अध्यक्ष ने बताया कि प्रस्तावित एआइ पाठ्यक्रम में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की मूलभूत समझ, तकनीक के नैतिक उपयोग, आलोचनात्मक चिंतन तथा व्यावहारिक अधिगम को महत्व दिया है।

Apka Faisla
24-05-2026

डी.एल.एड. प्रवेश परीक्षा 17 जून को, त्रुटि सुधार के लिए 27 मई तक का समय

धर्मशाला, (आपका फैसला)। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड, धर्मशाला ने दो वर्षीय डिप्लोमा इन एलीमेंट्री एजुकेशन (डी.एल.एड.) कोर्स के शैक्षणिक सत्र 2026-2028 में दाखिले के लिए होने वाली कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (सीईटी-2026) की तारीख की घोषणा कर दी है। बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने बताया कि यह प्रवेश परीक्षा 17 जून 2026 को पूरे प्रदेश में बनाए गए विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जाएगी। इस परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन करने की प्रक्रिया 4 अप्रैल 2026 से शुरू होकर, लेट फीस के साथ 29 अप्रैल 2026 तक पूरी की गई थी। इस प्रवेश परीक्षा के लिए बोर्ड को तय फीस के साथ कुल 9,984 ऑनलाइन आवेदन मिले हैं। दूसरी तरफ, फॉर्म में अधूरी जानकारी देने या फीस जमा न होने जैसी कमियों की वजह से 1,480 आवेदकों के फॉर्म रद्द कर दिए गए हैं। जिन आवेदकों के फॉर्म रिजेक्ट हुए हैं, उनकी पूरी सूची बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है। डॉ. राजेश शर्मा ने साफ किया है कि जिन अभ्यर्थियों ने तय समय के अंदर अपनी फीस जमा कर दी थी, लेकिन फिर भी उनका नाम इस रिजेक्शन लिस्ट में आ गया है, वे निराश न हों। ऐसे अभ्यर्थी फीस जमा करने का अपना पक्का सबूत या दस्तावेज लेकर 27 मई 2026 तक बोर्ड कार्यालय में खुद जाकर जमा करवा सकते हैं, ताकि उन्हें परीक्षा के लिए रोल नंबर जारी किया जा सके। इस तय तारीख के बाद बोर्ड इस तरह के किसी भी आवेदन या प्रार्थना पत्र पर कोई विचार नहीं करेगा। परीक्षा और आवेदन से जुड़ी किसी भी अन्य जानकारी या मदद के लिए आवेदक किसी भी वर्किंग डे पर बोर्ड कार्यालय के फोन नंबर 01892-242192 पर संपर्क करके अपनी समस्या का समाधान कर सकते हैं।

Apka Faisla 24-05-2026

इंटेल इंडिया और हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड की बड़ी पहल, स्कूलों में पढ़ाया जाएगा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

धर्मशाला,(आपका फैसला)। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड अब अपने स्कूलों में भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए बड़ा बदलाव करने जा रहा है। बोर्ड कक्षा 6वीं से लेकर 12वीं तक के छात्रों के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को एक हुनर यानी स्किल विषय के रूप में शामिल करने की तैयारी कर रहा है। इस बड़े प्रोजेक्ट के लिए बोर्ड ने इंटेल इंडिया को अपने साथ ज्ञान भागीदार (नॉलेज पार्टनर) के रूप में जोड़ा है। स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि छात्रों के लिए उनकी उम्र के हिसाब से ही एआई का सिलेबस तैयार किया जा रहा है। इस पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों में कंप्यूटर की समझ बढ़ाना, उनकी सोच को रचनात्मक बनाना और उनमें किसी भी समस्या को सुलझाने के कौशल को विकसित करना है। इस योजना को आगे बढ़ाने के लिए 7 मई 2026 को एक एआई ओरिएंटेशन वर्कशॉप रखी गई थी। इसके बाद बोर्ड ने इस विषय के जानकारों की एक विशेष एआई एक्सपर्ट कमेटी बनाई। इस कमेटी के अध्यक्ष डॉ. विशाल शर्मा की देखरेख में 22 और 23 मई 2026 को दो दिनों की एक खास कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें सिलेबस की बारीकियों को परखा और सुधारा गया। इस दो दिवसीय कार्यशाला में इंटेल इंडिया के प्रतिनिधियों, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय और राजकीय महाविद्यालय धर्मशाला के प्रोफेसरों, अलग-अलग स्कूलों के विषय विशेषज्ञों और शिक्षा बोर्ड की अपनी अकादमिक टीम ने हिस्सा लिया। इस बैठक का असली मकसद एआई के सिलेबस को किताबी ज्ञान से अलग कर व्यावहारिक बनाना था, ताकि यह आज के उद्योगों की जरूरतों और छात्रों की पसंद के मुताबिक काम आ सके। बोर्ड अध्यक्ष के अनुसार, इस नए पाठ्यक्रम में छात्रों को एआई की बुनियादी बातों को सिखाने के साथ-साथ टेक्नोलॉजी के सही और नैतिक इस्तेमाल के बारे में भी जागरूक किया जाएगा। इसमें रटने के बजाय बच्चों को खुद करके सीखने (हैंड्स-ऑन लर्निंग) और गहरी सोच विकसित करने का मौका मिलेगा। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड और इंटेल इंडिया मिलकर छात्रों और शिक्षकों दोनों को आने वाले कल के लिए तैयार करने और पढ़ाई-लिखाई का एक नया व आधुनिक माहौल बनाने के लिए पूरी तरह जुटे हुए हैं।